छत्तीसगढ़ में माओवादियों से मुठभेड़

चर्चा में क्यों?

छत्तीसगढ़ के सुकमा ज़िले में सुरक्षा बलों के साथ **मुठभेड़ में** [माओवादी] मारे गए।

मुख्य बिंदु

- **माओवादी हताहत:**
  - नवीनतम मुठभेड़ के कारण संघर्ष प्रभावित बस्तर क्षेत्र में 2025 के पहले 60 दिनों में **मारे गए माओवादियों की संख्या बढ़कर 67 हो गई है।**
  - सुकमा, जहाँ मुठभेड़ हुई, बस्तर क्षेत्र के सात ज़िलों में से एक है।
  - इसके अतिरिक्त, सुरक्षा बलों ने बस्तर के बाहर स्थित गरियाबंद ज़िले में मुठभेड़ों में 17 माओवादियों को मार गिराया।
  - छत्तीसगढ़ में वर्ष 2025 में मारे गए माओवादियों की कुल संख्या 84 है।
  - वर्ष 2024 में **नक्सल विरोधी अभियानों (ANO)** के दौरान सुरक्षा बलों ने राज्य में 219 माओवादियों को मार गिराया था।
- **सुकमा मुठभेड़ का विवरण:**
  - पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि इलाके में माओवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद सुरक्षा बलों ने तलाशी अभियान शुरू किया।
  - इस अभियान में छत्तीसगढ़ पुलिस के ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG) और केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) की एक विशिष्ट इकाई **कमांडो बटालियन फॉर रेसोल्यूट एक्शन (CoBRA)** के जवान शामिल थे।

ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG)

- ज़िला रिज़र्व गार्ड (DRG) **छत्तीसगढ़ में माओवादी हिंसा से निपटने के लिये वर्ष 2008 में स्थापित एक विशेष पुलिस इकाई है।**
- इसमें विशेष रूप से **प्रशिक्षित कर्मी** शामिल होते हैं जो प्रभावित ज़िलों में कार्य करते हैं, माओवादी विरोधी अभियान चलाते हैं, तलाशी और जब्ती करते हैं तथा खुफिया जानकारी जुटाते हैं।
- DRG माओवादी विद्रोह का मुकाबला करने के लिये **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)** जैसे अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर कार्य करता है।

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- CRPF की स्थापना वर्ष 1939 में रियासतों में राजनीतिक उथल-पुथल और अशांति के जवाब में **क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस** के रूप में की गई थी।
- वर्ष 1949 में इस बल का नाम बदलकर **केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल** कर दिया गया।
- तत्कालीन गृह मंत्री **सरदार वल्लभ भाई पटेल** ने CRPF के लिये एक बहुआयामी भूमिका की कल्पना की थी, ताकि इसके कार्यों को एक नए स्वतंत्र राष्ट्र की उभरती आवश्यकताओं के साथ जोड़ा जा सके।

CoBRA

- यह भारत के केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की एक विशेष ऑपरेशन इकाई है जो गुरिल्ला रणनीति और जंगल युद्ध में कुशल है। मूल रूप से नक्सली आंदोलन का मुकाबला करने के लिये स्थापित किया गया था।
- CoBRA को विषम युद्ध में शामिल विद्रोही समूहों से निपटने के लिये तैनात किया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/maoists-encounter-in-chhattisgarh-1